वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 46 | सोमवार 10 जून 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

प्रदेश संगठन में बड़ा बदलाव होगा, राजेंद्र गहलोत प्रदेश अध्यक्ष की दौड़ में सबसे आगे

जयपुर. कासं

मोदी मंत्रिमंडल में राजस्थान के 4 मंत्रियों को जगह मिलने के बाद अब प्रदेश में संगठन के स्तर पर बड़े बदलाव की तैयारी शुरू हो गई है। लोकसभा चुनाव में राज्य में संगठन की कमजोर रणनीति, गुटबाजी और गलत टिकट के बंटवारे के कारण भाजपा यहां 14 सीटों पर ही सिमट गई थी, जबकि 2014 और 2019 में सभी 25 की 25 सीटें भाजपा ने जीती थीं। केंद्रीय स्तर पर अब यह फैसला लगभग लिया जा चुका है कि प्रदेश अध्यक्ष बदलेंगे और संगठन के अंदर भी बड़े बदलाव किए जाएंगे। प्रदेश अध्यक्ष की दौड़ में राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत सबसे आगे चल रहे हैं। पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ का नाम भी अध्यक्ष पद के लिए आगे किया गया है।

शाह ने राज्य के नेताओं से बात की: नए अध्यक्ष और संगठन में बदलाव को लेकर दिल्ली में अमित शाह ने राज्य के नेताओं से बातचीत की है। उनसे नाम मांगे हैं। रविवार को राजस्थान के सभी बड़े नेता दिल्ली में शपथ ग्रहण समारोह के लिए उपस्थित थे, सूत्र बताते हैं इस दौरान भाजपा नेताओं से अमित शाह और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने व्यक्तिगत बातचीत की है। इसी चर्चा में राजेंद्र गहलोत का नाम तेजी उभरा है। उनके पक्ष में जातीय समीकरण भी हैं और वे किसी गुट के भी नहीं माने जाते हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ भी उनके अच्छे रिश्ते हैं। प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी को बदलने के पीछे राजस्थान में बीजेपी का कमजोर प्रदर्शन तो है ही, जातीय संतुलन की दृष्टि से भी रणनीति बनाई जा रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ब्राह्मण हैं और सीपी जोशी भी। ऐसी भी खबरें हैं कि संगठन में नए और अनुभवी चेहरों का संतुलन होगा। जिला संगठन में भी बदलाव की तैयारी, पॉलिटिकल नियुक्तियों को रफ्तार मिलेगी पीएम मोदी की शपथ और मंत्रिमंडल गठन के बाद राजस्थान भाजपा में भी बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। लोकसभा चुनाव में भाजपा की परफॉर्मेंस कमजोर रही है और बिखराव देखने को मिला है। लोकसभा चुनाव में प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी खुद के संसदीय क्षेत्र से ज्यादा बाहर नहीं निकल सके थे। प्रभारी और संगठन महामंत्री चुनावी तस्वीर में ही नहीं थे। लंबे समय से प्रदेश संगठन महामंत्री का पद भी खाली है जबकि प्रभारी की जगह सह प्रभारी ने काम देखा। पिछले लोकसभा चुनाव की तुलना में वोट प्रतिशत करीब 10 प्रतिशत तक घटा है। ऐसे में अब तय है कि राजस्थान में भाजपा प्रदेश संगठन में प्रदेशाध्यक्ष, प्रभारी, प्रदेश संगठन महामंत्री आदि प्रमुख पदों पर नए चेहरे दिख सकते हैं। जिलों में भी संगठन में बदलाव देखने को मिलना तय है। संगठन में बदलाव के अलावा भजनलाल सरकार में राजनीतिक नियुक्तियों की भी रफ्तार बढ़ना तय है। इसमें पार्टी के नेताओं-कार्यकर्ताओं के अलावा सामाजिक समीकरण भी साधे जाएंगे।

हाड़ौती से कोई नहीं; फिलहाल दुष्यंत बाहर, बिरला की भूमिका भी तय होगी

प्रदेश के सबसे वरिष्ठ पांच बार के सांसद दुष्यंत सिंह को इस बार भी मोदी मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिल सकी। दुष्यंत लगातार 2004 से झालावाड़ा लोकसभा सीट से बड़े मार्जिनों से जीत रहे हैं। मंत्रिमंडल के गठन से पूर्व दुष्यंत को मजबूत दावेदार के रूप में देखा जा रहा था लेकिन इस बार भी भाजपा के सियासी गणित पर वो फिट नहीं बैठ सके हैं। सांसद दुष्यंत सिंह के अलावा लोकसभा स्पीकर रहे ओम बिरला को भी फिलहाल कुछ नहीं मिला है। उन्हें क्या नई जिम्मेदारी मिलेगी या नहीं। इसको लेकर सियासी चर्चाएं हैं लेकिन हाड़ौती को अब तक कुछ नहीं मिलना चर्चाओं में है।

राज्यपाल ने डायग्नोस्टिक सेंटर का लोकार्पण किया

जयपुर. कंचन केसरी। राज्यपाल कलराज मिश्र ने रविवार को जयपुर में प्रताप नगर में एस.आर.के.डायग्नोस्टिक सेंटर का लोकार्पण किया। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं के अंतर्गत जांच के अत्याधुनिक उपकरणों के साथ स्थापित सेंटर द्वारा जन हित को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करने का आह्वान किया।

पार्श्वनाथ प्रीमियर लीग के दूसरे दिन हुआ समापन

जयपुर. शाबाश इंडिया। पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर थड़ी मार्केट प्रबंधकारिणी समिति जयपुर के निर्देशन में पार्श्वनाथ नवयुवक मंडल व विद्या वसु पाठशाला के संयुक्त तत्वावधान में केसर चौराहा के समीप स्थित शकुन प्ले ग्राउंड पर चल रही पार्श्वनाथ प्रीमियर लीग के दूसरे दिन प्रातःकालीन सत्र में क्वार्टर सेमीफाइनल मुकाबले में टीम मुनिसुव्रतनाथ व टीम आदिनाथ ने जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया तो वही बड़ी संख्या में जैन समाज के स्त्री,पुरुष, युवा व बच्चे उपस्थित रहकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ा रहे हैं। आयोजन समिति के संयोजक पंकज लोहिया व अध्यक्ष सिद्ध सेठी ने बताया कि इस प्रकार के आयोजनो से सामाजिक सद्भाव और समरसता का वातावरण तो कायम होता ही है साथ ही समाज के महानुभावों के बीच सम्बन्ध भी प्रगाढ़ होता है। पहला मुकाबला मुनिसुव्रत नाथ और चंद्र प्रभु टीम के मध्य हुआ तो गर्व जैन ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 31 गेंद का सामना कर 10 छक्के लगाकर 70 रन बनाए जिन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। टीम मुनि सुब्रत नाथ में 30 रन से जीत दर्ज की। दूसरा मुकाबला आदिनाथ टीम और मल्लिनाथ टीम के मध्य हुआ तो वही टॉस हारने के बाद भी पहले बल्लेबाजी करने का आदिनाथ टीम को मौका मिला। जिसमें प्रारंभिक बल्लेबाज नैतिक जैन बड़जात्या कामां ने 25 गेंद का सामना कर छह छक्के, दो चौके लगाकर 63 रन जोड़े तो वही कुणाल जैन ने भी 33 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया। दोनों ही बल्लेबाजों के दम पर 108 रन बनाकर 109 रन का बड़ा टारगेट मल्लिनाथ टीम को दिया गया। जिसका पीछा करते हुए मात्र 43 रन ही मल्लिनाथ टीम जोड़ सकी और 65 रन से आदिनाथ टीम ने जीत दर्ज की मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार नैतिक जैन बड़जात्या को प्रदान किया गया। लाइव कमेंट्री करते हुए संजय जैन बड़जात्या कॉमा ने कहा कि वर्तमान में धार्मिक क्रियो के साथ-साथ इस प्रकार के खेलों का आयोजन भी समाज स्तर पर होना आवश्यक है रात्रि कालीन सत्र में फाइनल मुकाबले हुए।

डा. पीयूष त्रिवेदी को मर्म चिकित्सा में श्रेष्ठ कार्य के लिए मिला राष्ट्रीय अवार्ड 2024

जयपुर. शाबाश इंडिया

एमिनेंट रिसर्च ,नई दिल्ली द्वारा नेशनल प्राइड एचिवमेंट अवार्ड से डा. पीयूष त्रिवेदी आज 09 जून को नवाजे गए। डॉ. पीयूष त्रिवेदी अभी हैं विधानसभा आयुर्वेद चिकित्सालय जयपुर में सेवारत एवं चिकित्सा प्रभारी। मर्म चिकित्सा द्वारा स्लिप डिस्क रोग की चिकित्सा के क्षेत्र में नवीन अनुसंधान के लिए मिला डा. त्रिवेदी को यह सम्मान। फिल्म कलाकार तुषार कपूर के द्वारा यह सम्मान प्रदान किया गया। पांच सितारा होटल कोहिनूर कॉन्टिनेंटल मुंबई में आज हुआ यह समारोह। देश भर से सैंकड़ों श्रेष्ठ चिकित्सक और गणमान्य लोग रहे मौजूद।

जन्मदिन पर 63 पोधे लगा इन्हे पुष्पित पल्लवित करने का संकल्प लिया

पुरे वर्ष मे आमजन के माध्यम से 1008 पौधे लगाएंगे

नोगाम. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल के पूर्व अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष अजीत कोठिया ने अपने 63 वे जन्मदिन पर 63पौधे स्वयं लगाने और एक वर्ष तक उनकी सक्रिय एवं समर्पित देखभाल का संकल्प लिया। कोठिया ने वर्ष 2024 मे आमजन के सहयोग से 1008 पौधे लगाने एवम उन्हे जिंदा रखने की भी शपथ ली। कोठिया के इस पर्यावरण संरक्षण से ओत प्रोत शपथ की वागड़ जोन डूंगरपुर बांसवाड़ा चेयरमेन पृथ्वीराज जैन, रीजन 4 उपाध्यक्ष गौतम राठौड़, गवर्निंग काउंसिल सदस्य विनोद दोशी डुंगरपुर एवम एम आई ट्रस्टी डूंगरलाल पटेल ने मुक्त कंठ से सराहना की। कोठिया ने बताया की वो वागड़ जोन में पर्यावरण संरक्षण अभियान के तहत 4 जुलाई से प्रारंभ महावीर इंटरनेशनल के गोल्डन जुबली वर्ष मे हर वीर सदस्य के जन्मदिन एवं विवाह वर्षगांठ पर इसी प्रकार से संकल्प दिला पैड पौधे लगाने के अभियान के प्रति संकल्पबद्ध रहेंगे।

ओम मेमोरियल चेस कोचिंग कैंप का सफल समापन

जयपुर. शाबाश इंडिया

चेस पेरेंट्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित ओम मेमोरियल इंटरनेशनल मास्टर (आईएम) कोचिंग कैंप आज सफलतापूर्वक समाप्त हुआ। यह कैंप 7 से 9 जून 2024 तक फोर्टिस हॉस्पिटल में राजस्थान के युवा शतरंज खिलाड़ियों के लिए आयोजित किया गया था। कैंप का आयोजन स्वर्गीय ओम प्रकाश की स्मृति में उनकी बेटी चेतना शर्मा के सहयोग से किया गया। राजस्थान के विभिन्न शहरों - कोटा, भरतपुर, नागौर, अजमेर, जयपुर, जोधपुर आदि - से लगभग 40 प्रतिभागियों ने इस कैंप में भाग लिया। कैंप में प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय मास्टर सुरवजीत साहा (कोलकाता) ने प्रतिभागियों को शतरंज के गुर सिखाए। कैंप में ग्रुप अ और इ में शतरंज के खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया गया। चेस पेरेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अमित गुप्ता ने कहा, यह कैंप राजस्थान के युवा शतरंज खिलाड़ियों के लिए एक शानदार अवसर था। हमें खुशी है कि इतने सारे प्रतिभागियों ने इसमें भाग लिया। चेस पेरेंट्स एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी जिनेश कुमार जैन ने कहा, ''यह कैंप राजस्थान के शतरंज समुदाय के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। हम भविष्य में भी इस तरह के कैंप आयोजित करने की योजना बना रहे हैं।'' चेस पेरेंट्स एसोसिएशन के सचिव ललित बरडीया ने कहा, ''हम राजस्थान के युवा शतरंज खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफल होने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'' ओम मेमोरियल आईएम कोचिंग कैंप राजस्थान के युवा शतरंज खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहा है। इस कैंप ने उन्हें अपने खेल में सुधार करने और अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का एक मंच प्रदान किया है। **जिनेश कुमार जैन, मीडिया प्रभारी चेस पेरेंट्स एसोसिएशन, राजस्थान**

गुलाबीनगर ग्रुप द्वारा मूवी MR & MRS MAHI दिखाई

जयपुर। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप गुलाबीनगर का मनोरंजन प्रोग्राम आज दिनाँक 09 जून 2024 को ब्लू प्लूटो में नाश्ते से शुरू हुआ। सदस्यों को एंटरटेनमेंट पैराडाइज में मूवी MR & MRS MAHI का सवेरे का फर्स्ट शो दिखाया गया। कार्यक्रम में संस्थापक अध्यक्ष अनिल शशि जैन व संरक्षक सुरेन्द्र मर्दुला पांड्या, अध्यक्ष सुशीला विनोद बड़जात्या, निवर्तमान अध्यक्ष सुनील बज, सलाहकार पदम भावशा, सचिव महावीर पांड्या, सहसचिव राजेंद्र छाबडा की गरिमा मय उपस्थिति रही। मूवी के बाद सभी सदस्यों ने ब्लू प्लूटो में स्वादिष्ट भोजन का लुत्फ लिया। अध्यक्ष सुशीला बड़जात्या ने सभी सदस्यों को कार्यक्रम में सहयोग के लिये व अधिक संख्या में सम्मलित होने के लिये धन्यवाद व आभार प्रकट किया।

जीव दया कार्यक्रम के अंतर्गत गायों को चारा व गुड खिलाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन युवा महिला फेडरेशन जनता कॉलोनी 'जीव दया' कार्यक्रम के तहत जयपुर शहर में स्थित दुर्गापुरा गौशाला में गायों को चारा व गुड खिलाया गया। इस अवसर पर जैन युवा महिला फेडरेशन जनता कॉलोनी की अध्यक्ष वंदना टोंगिया, सचिव मंजू गंगवाल, उपाध्यक्ष सुधा जैन, पूर्व अध्यक्ष सुनीता कासलीवाल, युवा महिला फेडरेशन के कार्यकारिणी सदस्य सुनीला गंगवाल, विनीता गंगवाल भी उपस्थित रहे। मंजू गंगवाल ने बताया कि पिछले हफ्ते पक्षियों के दाने पानी की व्यवस्था की गई वह कुष्ठआश्रम में, इस माह में भोजन की व्यवस्था की जाएगी। जैन युवा महिला फेडरेशन द्वारा वर्षभर अनेक धार्मिक सांस्कृतिक व सामाजिक, कार्यक्रम महिलाओं द्वारा आयोजित किए जाते हैं।

वेद ज्ञान

अभ्यास है मन की शक्ति विश्राम नहीं

भौतिकवादी समाज की कुरीतियों में काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार आदि मनोविकार मनुष्य के मन पर अधिकार बनाए हुए हैं और अवसर पाते ही अपना दुष्प्रभाव दिखाने लगते हैं। बड़े से बड़े महात्मा हों या उच्चाधिकारी आत्मसंयम के अभाव में अपनी प्रतिष्ठा खो बैठते हैं। ये मनुष्य जीवन में अनेक बाधाएं डालकर उसे निराशपूर्ण बना देते हैं। इनकी प्रतिद्वंद्विता में आत्मसंयम का सहारा ले लिया जाए तो मनुष्य जीवन की सफलता में संदेह नहीं रहता। इन पर काबू पाना या अपने को वश में करना जगत को जीत लेना है। साधारण मनुष्य की तो बात ही क्या बड़े-बड़े सम्राट भी काम के अधीन हो आत्मसंयम को तिलांजलि दे डालते हैं और मुश्किल में फंस जाते हैं। इतिहास प्रमाण है कि गांधीजी ने क्रोध पर नियंत्रण करके प्रेम और अहिंसा के अस्त्रों द्वारा अंग्रेजी साम्राज्य का अंत किया। बुद्ध ने राजसी वैभव के मोह और लालच को त्यागा तभी वह सत्य की साधना कर सके। जो व्यक्ति इंद्रियों के दास होते हैं वे इंद्रियों की इच्छाशक्ति पर नाचते हैं। संयमहीन पुरुष सदा उत्साह-शून्य, अधीर और अविवेकी होते हैं। इसलिए उन्हें क्षणिक सफलता भले मिल जाए, पर अंततः उन्हें बदनामी और पराजय ही मिलती है। आत्मसंयमी व्यक्तियों में सर्वदा उत्साह, धैर्य और विवेक रहता है जो उनकी सफलता की राह तय करते हैं। मानव की सबसे बड़ी शक्ति मन है इसलिए वह मनुज है। मन की शक्ति अभ्यास है, विश्राम नहीं। इसलिए तो मन मनुष्य को सदा किसी न किसी कर्म में रत रखता है। आत्मसंयम को ही मन की विजय कहा गया है। गीता में मन विजय के दो उपाय बताए गए हैं- अभ्यास और वैराग्य। यदि व्यक्ति प्रतिदिन त्याग या मोह मुक्ति का अभ्यास करता रहे तो उसके जीवन में असीम बल आ सकता है। यह कुछ महीने की देन नहीं होती है, बल्कि एक लंबे समय की जरूरत है। फिर तो दुनिया उसकी मुट्ठी में होगी। एक बार मोह- माया से विरक्त हो जाएं तो वैराग्य मिल जाएगा। भारत में आक्रमणकारी शताब्दियों तक लड़ाई जीत कर भी भारत को अपना नहीं सके, क्योंकि उनके पास नैतिक बल नहीं था। शरीर के बल पर हारा शत्रु बार-बार आक्रमण करने को उद्धत होता है, परंतु मानसिक बल से परास्त शत्रु स्वयं-इच्छा से चरणों में गिर पड़ता है।

संपादकीय

सहयोगियों की अपनी-अपनी मांग

गठबंधन सरकारों में सहयोगी दलों की मंत्री पद और विभागों की मांग को लेकर खींचतान नई बात नहीं है। हर दल का मुखिया अपने नेताओं की सामूहिक आकांक्षाओं को साथ लेकर चलता है। गठबंधन का पहला धर्म होता है, नीतियों और योजनाओं पर फैसले के समय निजी या दलगत स्वार्थों से ऊपर उठ कर सहमति बनाने का। गठबंधन का एक भी दल इस धर्म का निर्वाह नहीं कर पाता, तो वह सरकार चल नहीं पाती। देश में गठबंधन सरकारें बनी और चली हैं, पर वे तब-तब गिर गई हैं, जब गठबंधन धर्म के निर्वाह में दलगत स्वार्थ या वैचारिक मतभेद आड़े आए हैं। इस बार फिर गठबंधन सरकार बनने जा रही है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने नरेंद्र मोदी की अगुआई में सरकार बनाने पर सहमति जता दी है। मंत्रालयों के बंटवारे आदि को लेकर मंथन चल रहा है। हर बड़े दल से बड़प्पन की अपेक्षा रहती है और वह थोड़ा झुक कर अपने सहयोगियों का मान ऊपर रख भी लेता है। मगर सरकार गठन से पहले ही जिस तरह जद (यू) और तेलगु देशम की तरफ से नीतियों को लेकर शर्तें रखी जाने लगी हैं, उससे गठबंधन के भविष्य पर आशंका गहराने लगी है। जद (यू) ने कहा है कि अग्निवीर योजना पर सरकार को पुनर्विचार करना चाहिए। यही मांग विपक्षी दल शुरू से उठाते आ रहे हैं। चुनाव प्रचार के दौरान इंडिया गठबंधन ने तो सार्वजनिक रूप से एलान किया था कि अगर उसकी सरकार बनी तो अग्निवीर योजना को खत्म कर देंगे। वही बात अगर सहयोगी करने लगेंगे, तो सरकार के लिए मुश्किल होगी। भाजपा समान नागरिक संहिता लागू करना चाहती है। इस दिशा में वह आगे भी बढ़ चुकी है। मगर उसके दोनों प्रमुख सहयोगी दलों ने इस पर भी पुनर्विचार की बात कही है। सभी राज्य सरकारों से सहमति की मांग कर रहे हैं। हालांकि ये कुछ ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर सरकार अगर लचीला रुख अपनाए, तो सहमति बन सकती है। राजनीति में हर कदम के दूरगामी परिणाम होते हैं। कौन-सा दल किस मुद्दे पर अपनी बात मनवा लेता है, उससे उसके राजनीतिक भविष्य पर असर पड़ता है। भाजपा को इस वक्त सहयोगी दलों के साथ मिल कर सरकार चलाने की मजबूरी है, पर वह अपने सिद्धांतों और नीतियों से डिगेगी, तो नुकसान का खतरा बना रहेगा। ऐसी स्थितियों में सरकार की अगुआई कर रहे दल के सामने चुनौती होती है कि वह कैसे अपने सहयोगियों को नीतियों पर एकमत करे और किस हद तक उनकी शर्तों को माने। नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू की राजनीतिक छवि टिकाऊ और भरोसेमंद सहयोगी की नहीं रही है। इससे पहले भी वे कई बार राजग के साथ रहे, बीच में छोड़ कर चले गए, फिर आ गए हैं। बिहार और आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा देने जैसी उनकी कुछ पुरानी मांगें हैं। इसके अलावा अल्पसंख्यकों के आरक्षण के मुद्दे पर भी उनके विचार अलग हैं। अब जब वे मोलभाव करने की स्थिति में हैं, ये मुद्दे उठा सकते हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

पानी का बंटवारा

नदियों के जल के बंटवारे को लेकर राज्यों के बीच विवाद नया नहीं है। देश में कई राज्य नदियों के जल की हिस्सेदारी को लेकर मुकदमा लड़ रहे हैं। विभिन्न प्राधिकार बने हुए हैं, लेकिन विवादों का निपटारा नहीं हो पा रहा है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली को यमुना का जल मिले और सुगमता से मिले, यह मुद्दा अब राजनीतिक स्वरूप ले चुका है। दिल्ली में जल संकट की स्थिति गंभीर है। गुरुवार को दिल्ली सरकार की अपील पर सुप्रीम कोर्ट ने व्यवस्था दी कि हिमाचल प्रदेश 137 क्यूसेक अतिरिक्त जल छोड़ेगा और हरियाणा दिल्ली की तरफ पानी के प्रवाह को सुगम बनाएगा। यह व्यवस्था देते हुए शीर्ष अदालत की यह टिप्पणी बिल्कुल सटीक है कि पानी को लेकर राजनीति नहीं होनी चाहिए। यह विडंबना है कि जब लोग प्यासे हों तो पानी छोड़ने को लेकर खींचतान मचे और जो राज्य दबाव डाल सकता है, वह अड़ जाए। हरियाणा और दिल्ली की सरकारों में हथिनीकुंड बांध से छोड़े जाने वाले पानी को लेकर अक्सर ठनी रहती है। इस बार दिल्ली सरकार उच्चतम न्यायालय पहुंची। इस मामले में शीर्ष न्यायालय ने मामले से जुड़े राज्यों झ उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और हिमाचल प्रदेश से पूछा कि वे दिल्ली को कितना पानी दे सकते हैं। हिमाचल ने हामी भरी। अब हिमाचल प्रदेश, हरियाणा को पूर्व सूचना देकर पानी छोड़ेगा और यूवाईआरबी हथिनीकुंड में आने वाले अतिरिक्त पानी को मापेगा ताकि इसे वजीराबाद और दिल्ली तक पहुंचाया जा सके। जाहिर है, दिल्ली को मिल रहा पानी हरियाणा रोक तो नहीं रहा, इसकी निगरानी शीर्ष

अदालत करेगी। उम्मीद की जानी चाहिए कि अदालत द्वारा दी गई इस व्यवस्था का समुचित पालन होगा। कोई सरकार रोड़े नहीं अटकाएगी और आम जन को सुगमता से पानी मिल सके, इसके लिए सभी मिलकर प्रयास करेंगे। इसके साथ ही, लोगों को भी पानी बचाने की सामूहिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए, इसके लिए उन्हें पानी की खपत के लिए जिम्मेदाराना व्यवहार अपनाना चाहिए।

जन्म दिन पर हार्दिक बधाईयां और शुभकामनाएं

मोदी नगर निवासी परम गुरुभक्त सागानेर वाले बाबा के परम भक्त, परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्या सागर जी महामुनिराज -सुधा सागर जी महाराज के अनन्य भक्त, कई सामाजिक एवं धार्मिक आयोजनों के नेतृत्वकर्ता, हसमुख व्यक्तित्व के धनी, समाज व मानव सेवा में अग्रणी, सरल स्वभावी सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों में अपना सक्षम सहयोग देने वाले, गुरु भक्त परिवार के अनमोल रत्न, सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों में अपना सक्षम सहयोग देने वाले दानवीर भामाशाह

श्रीमान सुशील मोदी जी

को जन्मदिन पर हार्दिक बधाईयां और मंगल शुभकामनाएं

शुभेच्छु: शैलेंद्र गोधा, संपादक समाचार जगत,
अजय- माया कटारिया
विनोद - रवीना छाबड़ा

श्रवण संस्कृति सांगानेर संस्थान द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन संस्कार शिविर का शुभारंभ

सुरेश चंद्र गांधी. शाबाश इंडिया

नोगामा। दिनांक 9 जून को श्रवण संस्कृती संस्थान जयपुर सांगानेर से संपूर्ण भारतवर्ष में संस्कार शिविरों का आयोजन किया जा रहा है ।उसी के अंतर्गत आज आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर नौगामा में संस्कार शिविर का शुभारंभ परम पूज्य विज्ञान मति माताजी की शिष्या पवित्रमति माताजी शरद माता जी उदित मति माताजी के सानिध्य में हुआ। दीपेश शास्त्री, पीयूष शास्त्री के द्वारा मंगलाचरण किया गया ।मंगलाचरण के पश्चात जैन समाज नौगामा की ओर से दोनों भैया जी को ऊपरना उड़ा कर श्रीफल भेट सम्मान किया गया। माता जी श्रीफल भेंट कर भगवान का मोक्ष कल्याण बनाने हेतु निवेदन किया ।इस अवसर पर मंगल कलश स्थापना का सौभाग्य पंचोली आशीष मोहनलाल को प्राप्त हुआ एवं दीप प्रज्वलित करने का सौभाग्य गांधी मनीष कुमार सुरेश चंद्र को प्राप्त हुआ एवं उनकी ओर से सभी सभागीयो को पाठ्य पुस्तक पेन उपलब्ध करवाए गए।इसी के तहत प्रातः आदिनाथ मंदिर, भगवान महावीर समवशरण मंदिर सुखोदव तीर्थ नसिया जी में विशेष शांति धारा अभिषेक किया गया। अभिषेक करने का प्रथम सौभाग्य गांधी अतिवीर अतिशय राजेंद्र , पंचोरी विकेश कन्यालाल को प्राप्त हुआ। आज माताजी के मंगल प्रवेश के साथ माताजी द्वारा लघु सम्मेद शिखर की वंदना कर अभिभूत हुए माता जी ने कहा कि यह स्थल साधु संतों की साधना का स्थल है यहां पर भगवान मुनि सूवतनाथ का नव निर्माण जिनालय शीघ्र तैयार हो जाए ऐसी हमारी भावना है हमारी ओर से आशीर्वाद है ।इस अवसर पर दीपेश भैया ने बताया कि श्रमण संस्कृति संस्थान की ओर से वागड़ प्रांत में लगभग 27 गांव में श्रवण संस्कृति संस्थान द्वारा शिविरों का आयोजन किया जा रहा है ।जिसमें सांगानेर संस्थान से सभी भैया जी द्वारा अध्ययन करवाया जाएगा ।आज नौगामा नगर में संस्कार शिविर में 80 छात्र-छात्राओं ने अपना रजिस्ट्रेशन करवाया दोपहर एवं शाम को बाल बोघ भाग एवं भक्तांबर की क्लास से लगाई गई शाम को मंदिर जी में आचार्य भक्ति की गई।

All INDIA LYNESS CLUB
FRIENDSHIP UNITY SERVICE
Footprints
Swara
10 June' 24
Happy Birthday

ly.mrs Veena Gupta
9784064865
President : Nisha Shah
Charter president : Swati Jain
Advisor : Anju Jain
Secretary : Mansi Garg
PRO : Kavita kasliwal jain

बहुत-बहुत बधाई शुभकामनाएं

जैन संगठन जीतो द्वारा जैन गोट टैलेंट का आयोजन बेंगलुरु में हुआ ।इस प्रतियोगिता के फाइनल में अपने टैलेंट का लोहा मनवाते हुए श्री परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी ऋषिराज एवम परम पूज्य तीर्थ चक्रवर्ती निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव 108 श्री सुधा सागर जी ऋषिराज के मंगल आशिर्वाद एवम प्रेरणा से परम गुरु भक्त पंकज भैया भीलवाड़ा के सुपुत्र 'अनेक' ने झंडा गाड़ दिया.... गुरु भक्त परिवार का नाम रोशन किया

शुभेच्छु: समस्त मुनि श्री सुधासागर गुरु भक्त परिवार भारत

श्री दिगंबर जैन मुनि सेवा समिति की नवीन कार्यकारिणी घोषित

चितौड़. शाबाश इंडिया

आचार्य श्री विद्यासागर मांगलिक धाम में दिगम्बर जैन मुनि सेवा समिति की नवीन कार्यकारिणी सकल दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष पारस सोनी व मुनि सेवा समिति के परमसंरक्षक ओमप्रकाश गदिया की अध्यक्षता में नव निर्वाचित अध्यक्ष पूर्णेश गोधा एवम महामंत्री शैलेश पाटनी ने श्री दिगंबर जैन मुनि सेवा समिति की आगामी दो वर्ष के लिए कार्यकारिणी घोषित की गई और आगामी दो वर्ष के लिए कार्यक्रमों की रुपरेखा तैयार की गई। इस दौरान समाज अध्यक्ष पारस सोनी ने बताया कि मुनि सेवा समिति पिछले 15 वर्षों से लगातार संतों के आहार विहार और सामाजिक कार्यों में उल्लेखनीय कार्य कर रही हे युवा वर्ग की यह टीम समाज के हर कार्य में बढ़ चढ़ कर सेवा देती आई है और देती रहेंगी। इस अवसर पर मुनि सेवा समिति के पूर्व अध्यक्ष अंकुर चौधरी, शास्त्री नगर मंदिर अध्यक्ष ज्ञानसागर जैन एवं राजकुमार वेद , नवीन घनश्याम जैन ,अनुज जैन, कमल गदिया, सुनील वेद ,सुजीत छाबड़ा, अजय अजमेरा, पवन बज, मनोज पाटनी,शुभम चौधरी, निमित अजमेरा, मयंक अजमेरा, शोभित गंगवाल, चिराग बोहरा एवम हिंदुस्तान जिंक से देवेंद्र जैन नवीन जैन व अमित जैन सहित समाज के सभी वरिष्ठ जन उपस्थित थे।

मुनि श्री सुधासागर गुरु भक्त परिवार का और भीलवाड़ा का नाम गौरवान्वित किया

प्रिय ओनिक को सुनहरे भविष्य के लिए ढेरों शुभकामनायें समस्त परिजनों को बधाइयां।

शुभेच्छु: विनोद छाबड़ा जयपुर, विकास पटवारी बिजोलिया, विजय दुगिरीया कोटा, यश पहाड़िया ब्यावर, सुनील जैन बिजोलिया, सचिन दिल्ली एवम समस्त गुरु भक्त परिवार

सिद्धार्थ नगर जयपुर में गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के सानिध्य में मनाया जायेगा श्रुत पंचमी पर्व

जयपुर. शाबाश इंडिया। सिद्धार्थ नगर जयपुर में ससंघ विराजित भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी धर्म सभा में श्रुत पंचमी का महत्व बताते हुए कहा कि - श्रुत के अवतरण का दिन है श्रुत पंचमी ।इस दिन आ. पुष्पदंत व आ. भूतबलि जी अरिहंत की वाणी को लिपिबद्ध किया था ।ऐसी वाणी जिसे हम आगम या जिनवाणी कहते है ।जिनवाणी के एक पेज को फाड़ने से एक मूर्ति को तोड़ने के बराबर पाप लगता है ।दोनों आचार्यों ने षट्खण्डागम ग्रंथ को लिपिबद्ध करके समस्त चतुर्विध संघ के साथ हाथी पर रखकर शोभायात्रा निकाली थी ।इसलिए इस दिन को श्रुत पंचमी के नाम से जाना जाता है। आगामी 11 जून 2024 को पूज्य माताजी के सान्निध्य में सिद्धार्थ नगर जयपुर में श्री जिनसहस्त्रनाम महार्चना का आयोजन किया जायेगा ।साथ ही माताजी ससंघ के सान्निध्य में भव्य शोभायात्रा भी निकाली जायेगी ।

श्रुत पंचमी और इतिहास

प्रतिवर्ष ज्येष्ठ शुक्ला पंचमी को जैन समाज में, श्रुतपंचमी पर्व मनाया जाता है। इस पर्व को मनाने के पीछे एक लम्बा इतिहास है, जो भगवान महावीर के काल से शुरू होता है। 683 वर्ष का प्रारंभिक काल चक्र : श्री वर्द्धमान जिनेन्द्र के मुख से श्री इन्द्रभूति (गौतम) गणधर ने श्रुत को धारण किया। उनसे सुधमार्चार्य ने और उनसे जम्बू नामक अंतिम केवली ने ग्रहण किया। भगवान महावीर के निर्वाण के बाद इनका काल 62 वर्ष है। पश्चात 100 वर्ष में 1 विष्णु 2 नन्दिमित्र 3 अपराजित 4 गोवर्धन 5 भद्रबाहु ये पांच आर्चाय पूर्ण द्वादशांग के ज्ञाता श्रुतकेवली हुए। तदनंतर ग्यारह अंग और दश पूर्वों के वेत्ता ये ग्यारह आचार्य हुए- 1 विशाखाचार्य 2 प्रोष्ठिन 3 क्षत्रिय 4 जय 5 नाग 6 सिद्धार्थ 7 धृतिसेन 8 विजय 9 बुद्धिल 10 गंगदेव 11 धर्म सेन इनका काल 183 वर्ष है। तत्पश्चात : नक्षत्र 2 जयपाल 3 पाण्डु 4 ध्रुवसेन5 कंस ये पांच आर्चाय ग्यारह अंगों के धारक है। इनका काल 220 वर्ष है। तदनन्तर : 1 सुभद्र 2 यशोभद्र 3 यशोबाहु 4 लोहार्य। ये चार आचार्य एकमात्र आचारंग के धारक हुए। इनका समय 118 वर्ष है। (62+ 100+ 183+ 220+118 = 683 वर्ष) इसके पश्चात अंग और पूर्ववेत्तओं की परम्परा समाप्त हो गई और सभी अंगों और पूर्वों के एकदेश का ज्ञान आचार्य परम्परा से धरसेनाचार्य को प्राप्त हुए। ये दूसरे अग्रायणी पूर्व के अंतर्गत चैथे महाकर्म प्रकृति प्राभृत के विशिष्ट ज्ञाता थे। श्रुतावतार की यह परम्परा धवला टीका के रचयिता आचार्य वीरसेन स्वामी के अनुसार है। मोटे तौर पर उपयुक्त कालगणना के अनुसार भगवान महावीर के निर्वाण से 683 वर्षों के व्यतीत होने पर आचार्य धरसेन हुए। नन्दिसंघ की पट्टावली के अनुसार धरसेनाचायार्य का काल वीर निर्वाण से 614 वर्ष पश्चात जान पड़ता है ।

षट्खण्डागम की रचना : आचार्य धरसेन अष्टांग महानिमित्त के ज्ञाता थे। जब वे बहुत वृद्ध हो गए और अपना जीवन अत्यल्प अवशिष्ट देखा तब उन्हें यह चिंता हुई कि अवसर्पिणी काल के प्रभाव से श्रुतज्ञान का दिन प्रतिदिन ह्रास होता जाता है। इस समय मुझे जो कुछ श्रुतप्राप्त है, उतना भी आज किसी को नहीं है, यदि मैं अपना श्रुत दूसरे को नहीं दे सका तो यह भी मेरे ही साथ समाप्त हो जायेगा। उस समय देशेन्द्र नामक देश में वेणाकतटपुर में महामहिमा के अवसर पर विशाल मुनि समुदाय विराजमान था। श्री धरसेनाचार्य ने एक ब्रह्मचारी के हाथ वहां मुनियों के पास एक पत्र भेजा। उसमें लिखा था-की आप लोग तीक्ष्ण बुद्धि वाले श्रुत को ग्रहण और धारण करणे में समर्थ दो यतीश्वरों को मेरे पास भेजो। मुनि संघ ने आचार्य धरसेन के श्रुतरक्षा सम्बंधी अभिप्राय को जानकर दो मुनियों को गिरिनगर भेजा। वे मुनि विद्याग्रहण करने में तथा उसका स्मरण रखने में समर्थ थे, अत्यंत विनयी तथा शीलवान थे। दूसरे दिन दोनों मुनिवर आ पहुंचे और विनयपूर्वक उन्होंने आचार्य के चरणों में वंदना की। दो दिन पश्चात श्री धरसेनाचार्य ने उनकी परीक्षा की। एक को अधिक अक्षरों वाला और दूसरे को हीन अक्षरों वाला विद्यामंत्र देकर दो उपवास सहित उसे साधने को कहा। ये दोनों गुरू के द्वारा दी गई विद्या को लेकर और उनकी आज्ञा से भी नेमिनाथ तीर्थकर की

सिद्धभूमि पर जाकर नियमपूर्वक अपनी अपनी विद्या की साधना करने लगे । जब उनकी विद्या सिद्ध हो गई तब वहां पर उनके सामने दो देवियां आई। उनमें से एक देवी के एक ही आँख थी और दूसरी देवी के दाँत बड़े-बड़े थे। जिसके सामने एक आँख वाली देवी आई थी उन्होंने अपने मंत्र में एक वर्ण कम पाया तथा जिसके सामने लम्बे दाँतों वाली देवी आई थी उन्होंने अपने मंत्र में एक वर्ण अधिक पाया। दोनों ने अपने-अपने मंत्रों को शुद्ध कर पुनः अनुष्ठान किया।

दोनों मुनियों का नाम कारण: मुनियों की इसी कुशलता से गुरु ने जान लिया कि सिद्धांत का अध्ययन करने के लिए वे योग्य पात्र है। आचार्य श्री ने उन्हें सिद्धांत का अध्ययन कराया। वह अध्ययन अषाढ शुक्ल एकादशी के दिन पूर्ण हुआ। इस दिन देवों ने दोनों मुनियों की पूजा की। एक मुनिराज के दांतों की विषमता दूर कर देवों ने उनके दांत कुंदपुष्प के समान सुंदर किया इसलिए आचार्यश्री ने उनका 'पुष्पदन्त' यह नामांकरण किया तथा दूसरे मुनिराज की भी भूत जाति के देवों ने तूर्यनाद जयघोष, गंधमाला, धूप आदि से पूजा की इसलिए आचार्यश्री ने उन्हें 'भूतबलि' नाम से घोषित किया। पुष्पदन्त मुनिराज अपने भानजे को दीक्षा देकर उन्हें पढाने के लिए महाकर्म प्रकृति प्रभृत का छह खण्डों में उपसंहार करना चाहते थे अतः उन्होंने बीस प्ररूपणा गर्भित सत्प्ररूपणा के 177 सूत्रों को बनाकर शिष्यों को पढाया और जिपालित को यह ग्रन्थ देकर भूतबलि जी के पास भेज दिया। इस रचना को और पुष्पदन्त मुनि के षटखण्डागम रचना के अभिप्राय को जानकर एवं पुष्पदंत जी की आयु भी अल्प है ऐसा जिनपालित से समझकर श्री भूतबलि आचार्य ने द्रव्यप्रमाणानुगम को आदि करके आगे के ग्रन्थ की रचना की। इस तरह पूर्व के सूत्रों सहित छह हजार श्लोक प्रमाण में इन्होंने खण्ड बनाये। छह खण्डों के नाम हैं- 1 जीवस्थान 2 क्षुद्रक बंध 3 बंधस्वामित्व 4 वेदना खण्डा 5 वर्गणा खण 6 महाबंध भूतबलि आचार्य ने इन षटखण्डागम सूत्रों को पुस्तक बद्ध किया और ज्येष्ठ सुदी पंचमी के दिन चतुर्विध संघ सहित कृतिकर्मपूर्वक महापूजा की।

उपसंहार: इसीलिए इसी दिन से इस पंचमी का श्रुतपंचमी नाम प्रसिद्ध हो गया। तब से लेकर लोग श्रुतपंचमी के दिन श्रुत की पूजा करते आ रहे हैं। अपर्युक्त विवरण से ज्ञान होता है कि आचार्य पुष्पदन्त और भूतबलि ने षटखण्डागम ग्रन्थ की रचना कर ज्येष्ठ शुक्ला पंचमी के दिन चतुर्विध संघ के सथ उसकी पूजा की थी, जिससे श्रुतपंचमी तिथि दिगम्बर जैनों में प्रख्यात हो गई। ज्ञान की आराधना का यह महान पर्व हमें वीतरागी संतों की वाणी की आराधना और प्रभावना का संदेश देता है। इस दिन षट्खण्डागम, धवला, महाधवलादि ग्रन्थें को विराजमान कर महामहोत्सव के साथ उनकी पूजा करना चाहिए। श्रुतपूजा के साथ सिद्धभक्ति और शांतिभक्ति का भी इस दिन पाठ करना चाहिए।

पुष्पदन्त मुनिराज अपने भानजे को दीक्षा देकर उन्हें पढ़ाने के लिए महाकर्म प्रकृति प्रभृत का छह खण्डों में उपसंहार करना चाहते थे अत: उन्होंने बीस प्ररूपणा गर्भित सत्प्ररूपणा के 177 सूत्रों को बनाकर शिष्यों को पढाया और जिपालित को यह ग्रन्थ देकर भूतबलि जी के पास भेज दिया। इस रचना को और पुष्पदन्त मुनि के षटखण्डागम रचना के अभिप्राय को जानकर एवं पुष्पदंत जी की आयु भी अल्प है ऐसा जिनपालित से समझकर श्री भूतबलि आचार्य ने द्रव्यप्रमाणानुगम को आदि करके आगे के ग्रन्थ की रचना की।

संकलनः पदम जैन बिलालाः जनकपुरी, जयपुर

कंगना को थप्पड़, खूनी दौर का संकेत

(थप्पड़ उतना मारक नहीं है जितना कि इस थप्पड़ को लेकर खुश होने वाले बुद्धिजीवियों की हंसी। इस तरह की विचारधारा को सिर उठाने के पहले कुचल देने की जरूरत है।देश का हर नेता किसी न किसी के बारे में आए दिन जहर उगलता रहता है। अगर हर नेता की बात पर सुरक्षा बलों के जवान इसी तरह रिएक्ट करना शुरू कर दें तो देश की व्यवस्था का क्या होगा? अपनी ड्यूटी निभाते हुए यह करना क्या उचित है? वो देश की ऐसी सुरक्षा एजेंसी का हिस्सा हैं। क्या इसको बढ़ावा देना उचित है? क्या कल को और कोई नहीं ऐसे किसी नेता या पब्लिक फिगर पर हाथ उठेगा? क्या गारंटी है कि कल को यही घूम कर सभी के पास आएगा। महिला कॉन्स्टेबल कुलविंदर कौर का थप्पड़ उतना मारक नहीं है जितना कि इस थप्पड़ को लेकर खुश होने वाले बुद्धिजीवियों की हंसी।) वैचारिक मतभेदों को व्यक्त करने का घृणित तरीका, खासकर जब आप वर्दी पहने हों।' शर्मिंदगी और हैरानी इस बात की है कि ये काम सीआईएसएफ की सुरक्षाकर्मी ने किया है जो लोगों की सुरक्षा के लिए होते हैं।क्या ये कंगना के खिलाफ चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर प्लान अटैक है।सांसद पर चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर हुआ हमला बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है, खासकर एक सुरक्षाकर्मी द्वारा, जिन पर सुरक्षा का जिम्मा होता है। अपनी शिकायत को रखने का और भी सभ्य तरीका होता है।ह्लह्ल भारतीय राजनीति और सामाजिक जीवन में हम अक्सर इस तरह की घटनाओं के बारे में सुनते हैं। ह्लथप्पड़ह्ल कहने से हिंसा की गंभीरता कम होती है और हिंसा के शिकार की कमजोरी ज्यादा उजागर होती है। थप्पड़ से किसी की जान नहीं जाती, उसकी निष्कवचता अधिक प्रकट होती है।उसमें किसी योजना की जगह एक प्रकार की स्वतःस्फूर्तता का तत्व होता है।कहा जा सकता है कि थप्पड़ मारने वाले की मंशा सिर्फ नाराजगी का इजहार होता है। राजनीति और सिस्टम (लोकतंत्र या तानाशाही) में विरोध जायज है और यही विरोध तरह तरह के स्वरूपों में हमारे सामने आता रहता है।थप्पड़ या स्याही हमला भारतीय राजनीति में कोई नया किस्सा नहीं है।पहले भी हमारे नेता इन हमलों का दंश झेलते रहे हैं। इतना ही नहीं कई नेताओं पर जूता उछाले जाने की घटनाएं भी हुई हैं।लोकतंत्र लोगों को विरोध प्रदर्शन की आजादी देता है और लोग विरोध के नए-नए तरीके खोज लाते हैं।कंगना ने किसान आंदोलन के खिलाफ में कुछ बोला तो सीआईएसफ की कांस्टेबल ने कंगना पर हमला कर दिया।ये कहाँ तक उचित है? जो लोग इसे सही ठहरा रहे हैं वे ये समझ लें कि रक्षक को भक्षक नहीं बनना होता है। आपकी व्यक्तिगत सोच और विचारधारा आपकी ड्यूटी के बीच में नहीं आनी चाहिए।देशभर में दर्जनों नेता हैं जो सेना के खिलाफ बोलते आये हैं।कभी सिक्युरिटी के दौरान किसी सैनिक की भावना उसकी ड्यूटी के बीच आ गई तो ऐसे नेताओं का वहीं हिसाब हो जाएगा। धारा ३७०, राम मंदिर जैसे मुद्दों पर कई नेताओ और सेलिब्रिटीज के घटिया और भद्दे बयान सबके सामने हैं ऐसे लोगों के खिलाफ अगर हर सुरक्षाकर्मी सिक्युरिटी के दौरान अपनी भवनाएँ दिखाने लगा तो बहुत बड़ी दिक्कत हो जायेगी। मुझे तो ये समझ नहीं आ रहा है कि लोग कैसे इस महिला के एक्ट को जस्टिफाय कर सकते हैं।क्या लोग ये भूल गए कि ऐसे ही दो सुरक्षाकर्मचारियों की भावनाएँ उनकी ड्यूटी के बीच आ गई थी जिसकी वजह से इंदिरा गांधी की हत्या हुई।हिंसा की भर्त्सना बिना शर्त जब तक न की जाएगी, जब तक उसके लिए कोई औचित्य तलाशा जाता रहेगा और जब तक वह विचारधारा के आधार पर सही या गलत मानी जाएगी,

उसकी पुनरावृत्ति होती रहेगी। संचार माध्यमों द्वारा हिंसा को नयनाभिराम बनाकर अगर उपभोग्य बना दिया गया तो वह फिर बार-बार 'अदा' की जाएगी और अपनी भयावहता भी खो बैठेगी।वह लोकतंत्र का सबसे सबसे खतरनाक क्षण होगा।देश का हर नेता किसी न किसी के बारे में आए दिन जहर उगलता रहता है। अगर हर नेता की बात पर सुरक्षा बलों के जवान इसी तरह रिएक्ट करना शुरू कर दें तो देश की व्यवस्था का क्या होगा? अपनी ड्यूटी निभाते हुए यह करना क्या उचित है? क्या इसको बढ़ावा देना उचित है? क्या कल को और कोई नहीं ऐसे किसी नेता या पब्लिक फिगर पर हाथ उठेगा? क्या गारंटी है कि कल को यही घूम कर सभी के पास आएगा।थप्पड़ मारने को उचित नहीं कहा जा सकता, साथ ही ऐसे गुस्से को भी सुनना तो पड़ेगा, सुनना चाहिए। राजनेताओं को समझना चाहिए कि पीड़ित जनता की भावनाओं के प्रति यदि वे न केवल संवेदनहीन बल्कि क्रूर व अमानवीय रवैया अपनायेंगे तो जनता अपनी हताशा किसी रूप में तो व्यक्त करेगी। किसी को थप्पड़ मारना अपराध है। इस तरह के मामलों में पुलिस इंडियन पीनल कोड के सेक्शन 323 के तहत केस दर्ज करती है। उन्होंने आगे कहा कि आईपीसी के सेक्शन 323 के तहत अगर कोई अपनी इच्छा से किसी को चोट या नुकसान पहुंचाता है, तो ऐसा करने पर उसे 1 साल की जेल हो सकती है। साथ ही 1 हजार रुपये का जुमार्ना या दोनों की सजा हो सकती है। लेकिन अगर ये बात सामने आती है कि किसी ने बदसलूकी की और फिर ये घटना हुई तो अदालत सजा को बदल भी सकती है या मामले को ही खारिज कर सकती है।देश का हर नेता किसी न किसी के बारे में आए दिन जहर उगलता रहता है। अगर हर नेता की बात पर सुरक्षा बलों के जवान इसी तरह रिएक्ट करना शुरू कर दें तो देश की व्यवस्था का क्या होगा? अपनी ड्यूटी निभाते हुए यह करना क्या उचित है? वो देश की ऐसी सुरक्षा एजेंसी का हिस्सा हैं जहां पर इस तरह के गुस्से को जगह नहीं दी जा सकती है।सीआईएसएफ देश के सभी एयरपोर्ट और मेट्रो जैसी संवेदनशील जगहों की सुरक्षा देखती है।गुस्से को वैधता प्रदान करने वाले आग से खेल रहे हैं। इस प्रकार का अतिवाद ही आतंकवाद के लिए जगह बनाता है। शायद यही कारण है कि एक वर्ग यह बात कर रहा है कि इस तरह की विचारधारा को सिर उठाने के पहले कुचल देने की जरूरत है।इस बात में जरा भी संदेह नहीं हो सकता कि पंजाब के हालत बेहद नाजुक हैं।एक बार फिर से इस राज्य में जिस तरह अलगाववाद फन फैला रहा है वो कभी भी पंजाब को उसके खूनी दौर में वापस पहुंचा सकता है।

प्रियंका सौरभ
रिसर्च स्कॉलर इन पोलिटिकल साइंस,
कवयित्री, स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के प्रवचन

कभी हँसते हुए छोड़ देती है ये ज़िन्दगी,
कभी रोते हुये छोड़ देती है ये ज़िन्दगी
ना पूर्ण विराम सुख में, ना पूर्ण विराम दुःख में,

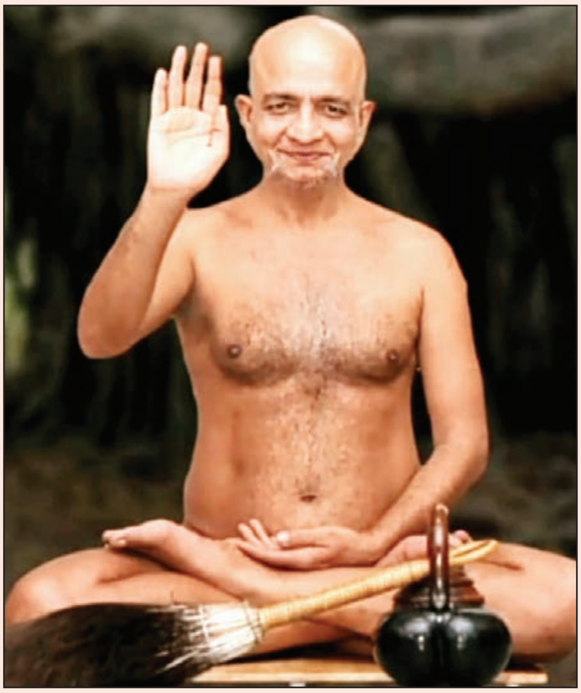

बस जहाँ देखो वहाँ अल्पविराम छोड़ देती है ये ज़िन्दगी...! इसलिए मित्रो! इस संसार में तुम ज्यादा भरोसा मत करना, स्वार्थ भरा संसार है, स्वार्थी संसार है, मतलब का संसार है। मैं यह नहीं कहता कि तुम संसार छोड दो। मैं तो यह कह रहा हूँ कि इस संसार को एक बार अच्छे से समझ लो, ताकि--यदि कभी अपने पराये भी हो जायें, तो तुम जीते जी ना मर पाओ। क्योंकि -- ये ज़िन्दगी भी बड़ी अजीबो-गरीब है...मुस्कुराओ तो लोग जलते हैं,और गुमसुम रहो तो सवाल करते हैं...।

-नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतु का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

पैतृक गांव लार पहुंचने पर मनीषा जैन का हुआ भव्य स्वागत

मुकेश जैन लार. शाबाश इंडिया

टीकमगढ़। एमपीपीएससी के घोषित परीक्षा परिणामों में सुश्री मनीषा जैन पिता जिनेन्द्र जैन माता श्रीमति रीना जैन ने टॉप टेन में चौथा स्थान हासिलकर डिप्टी कलेक्टर के पद पर चयन होने के पश्चात पहली बार अपने पैतृक ग्राम लार में पहुंचने पर स्थानीय समाज द्वारा भव्य स्वागत किया गया। लार के बड़े बाबा श्री 1008 पारसनाथ भगवान के दिव्य दरबार में पूजन अर्चना कर श्रीफल समर्पित किया।तत्पश्चाप स्थानीय जैन समाज द्वारा शाल श्रीफल पुष्प गुच्छ भेटकर सुश्री मनीष जैन जिनेंद्र जैन श्रीमती रीना जैन का सम्मान स्वागत किया गया। मनीषा जैन ने समाज को संबोधित करते हुए अपनी सफलता का श्री लार के बड़े बाबा व आचार्य विद्यासागर जी महा मुनिराज एवं अपने माता-पिता को दिया। सम्मान करने वालों में पंडित कमल कुमार जी शास्त्री दिनेश जैन शिक्षक पदमचंद जैन शिक्षक राजेश जैन निरंजन जैन पुष्पेंद्र जैन विनोद जैन डॉक्टर अरविंद जैन पवन जैन चक्रेश जैन सतीश जैन श्रीमति सुशीला जैन श्रीमती बबली जैन सम्मिलित रहे।

गौ सेवा, पक्षी चुग्गा एवं परिण्डा वितरण का हुआ विशाल आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान जैन युवा महासभा सांगानेर जोन एवं श्री महावीर नवयुवक मंडल चित्रकूट कालोनी सांगानेर द्वारा गौ सेवा , पक्षी चुग्गा एवं परिण्डा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सांगानेर स्थित पिंजरापोल गौशाला में आयोजित कार्यक्रम के पुण्यार्जक समाजसेवी प्रदीप बाकलीवाल सवारियां वाले, रोहित पाटनी, पवन गोधा, राजेन्द्र जैन, प्रद्युम्न बजाज आदि रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ णमोकार महामंत्र के साथ किया गया। तत्पश्चात गायों को गुड़ हरा चारा खिलाया गया। तत्पश्चात बेजुबान पक्षियों को दाना, चुग्गा डाला गया। जोन अध्यक्ष सुरेन्द्र सोगानी एवं कार्यक्रम संयोजक मनीष पाटनी काशीपुरा और प्रदीप बेद मंडावरी ने बताया कि चित्रकूट कालोनी महिला मंडल एवं दिगम्बर जैन महासमिति महिला अंचल सांगानेर सम्भाग के सहयोग से बेजुबान पक्षियों के लिए 101 परिंडे पेड़ों पर बांधे गये एवं लोगो को वितरण किए गए। इस मौके पर राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन, प्रदेश महामंत्री विनोद जैन " कोटखावदा" ,दिगम्बर जैन महिला महासमिति की राजस्थान अंचल अध्यक्ष शकुंतला बिन्दायक्या, सांगानेर संभाग के महामंत्री महावीर सुरेन्द्र जैन, सांगानेर जोन महामंत्री आशीष पाटनी, प्रतापनगर जोन अध्यक्ष पारस जैन ,महामंत्री त्रिलोक चंद जैन, जयपुर ग्रामीण जोन महामंत्री अमन जैन कोटखावदा, समाजसेवी एन सी जैन, प्रदीप वैद मंडावरी, राजेश सोगानी संजू सोगानी ज्योति पाटनी सहित बड़ी संख्या में महिला मंडल व युवा मंडल के सदस्य शामिल हुए ।

जैनत्व बाल संस्कार एवं युगल शिविर का हुआ समापन समारोह

रत्नेश जैन रागी. शाबाश इंडिया

घुवारा। नगर के महावीर जिनालय में दिनांक 03 से 08 जून 2024 तक आयोजित चतुर्थ जैनत्व बाल संस्कार एवं युगल शिविर का समापन समारोह आयोजित किया गया । समापन समारोह की अध्यक्षता डॉ. गुलाब जैन ने की एवं मुख्य अतिथि के रूप में उदयपुर से पधारे पं. राजकुमार शास्त्री उपस्थित रहे । इसी के साथ विशिष्ट अतिथियों के क्रम में द्रोणगिरी सिद्धक्षेत्र के मंत्री सनत कुमार कुटौरा ,संयुक्त मंत्री निर्मल कुमार बारव, भोयरा मंदिर के अध्यक्ष धनीराम भोंयरा,मंत्री अमर चंद भोंयरा , जिनेश अमरमऊ, महेश जैन मुनीम साब,ऋषि सुनवाहा की उपस्थिति रही। बच्चों को संस्कारित करने लिए जिन विद्वानों को आमंत्रित किया गया था उनमें पं.राजकुमार शास्त्री उदयपुर,पं.संजय सिद्धार्थी इंदौर,पं.नीलेश शास्त्री घुवारा,पं.पियूष शास्त्री खरगौन, पं.दीपक शास्त्री बांसवाड़ा, पं.हर्षित शास्त्री घुवारा, वि.मानसी शास्त्री , वि.दीपिका शास्त्री , वि.अनुभूति शास्त्री , वि.श्रेया शास्त्री घुवारा, वि. लब्धि ने बच्चों को बहुत ही रोचक शैली में अध्ययन कराया। कार्यक्रम का विधिवत प्रारंभ वीतराग विज्ञान पाठशाला के बच्चे अंशिका जैन और वाणी जैन के मंगलाचरण नृत्य गीत प्रस्तुति के साथ हुआ। इसके पश्चात समस्त आमंत्रित अतिथियों एवं विद्वानों का स्वागत सम्मान किया गया। इसी के साथ वीतराग विज्ञान पाठशाला की संचालिका श्रीमती सरोज जैन का विशेष सम्मान अतिथियों द्वारा किया गया एवं सांस्कृतिक प्रभारियों में आकांक्षा जैन,सरोज जैन,अमन जैन,प्रशंसा जैन का सम्मान अतिथियों द्वारा किया गया। सम्पूर्ण शिविर की व्यवस्थाओं को सूक्ष्म स्तर से देखने वालों में निर्मल जैन, आलोक जैन दाऊ, उत्तम चंद जैन का विशेष सम्मान कमेठी के सदस्यों द्वारा किया गया। शिविर में प्रतिदिन बच्चों की विभिन्न सामूहिक कक्षाएं, विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। शिविर में लगभग 220 शिवरार्थियों में से लगभग 170 शिवरार्थियों ने पेपर देकर पुरस्कार प्राप्त किया। शिविर में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने वाले शिवरार्थियों के पुरस्कारों की श्रृंखला में शिशुवर्ग में प्रथम स्थान अर्जिका जैन पुत्री डॉ. अरूण जैन,द्वितीय स्थान सिद्धानी जैन पुत्री संजीव जैन,तृतीय स्थान मान्या जैन पुत्री उदय जैन ने प्राप्त किया। बालवर्ग 1 में प्रथम स्थान श्रेयस जैन पुत्र संजीव जैन,द्वितीय स्थान आराध्या जैन पुत्री विकास जैन,तृतीय स्थान आदेश जैन पुत्री मुकेश जैन ने प्राप्त किया। बालबर्ग 2 में प्रथम स्थान दर्श जैन पुत्र श्री आनंद जैन,द्वितीय स्थान श्रेया जैन पुत्री संजीव जैन,तृतीय स्थान अर्हम जैन पुत्र रविन्द्र जैन ने प्राप्त किया। युवा वर्ग में प्रथम स्थान इशिता जैन पुत्र विनोद जैन,द्वितीय स्थान आस्था जैन पुत्र पवन जैन,तृतीय स्थान साक्षी जैन पुत्री मनीष जैन ने प्राप्त किया। युगल वर्ग में प्रथम स्थान श्रीमती नेहा जैन पत्नी नीलेश जैन,द्वितीय स्थान श्रीमती मनोरमा जैन पत्नी अजय जैन,तृतीय स्थान श्रीमती सुलेखा जैन पत्नी जिनेन्द्र जैन ने प्राप्त किया। पुरस्कार का सौजन्य जिनेश जैन अमरमऊ परिवार को प्राप्त हुआ। शिविर में प्रमोद जैन, डॉ.अरूण जैन, सुनील जैन इंडेन गैस, सुनील जैन प्रियंका क्लॉथ, शिखर जैन,राजाराम जैन,पदम चंद जैन, अजित जैन,भूपेंद्र जैन सेसई,शैलेश जैन,शिक्षक अरविंद जैन, प्राचार्य संतोष जैन,सेठ उदय चंद जी , सेठ नवीन कुमार जी, राजीव जी पाटन, रत्नेश पनवारी,पं.अखिलेश शास्त्री घुवारा का सहयोग प्राप्त हुआ। अंत में प्रति दिवस के विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का पुरस्कार वितरण भी किया गया। सम्पूर्ण शिविर का संयोजन एवं समापन समारोह का संचालन पं.नीलेश शास्त्री घुवारा के द्वारा किया गया।

-वरिष्ठ पत्रकार राजेश जैन रागी रत्नेश जैन बकस्वाहां

रामकथा का श्रवण करने वाले का परलोक भी सुधर जाता हैः पंकज ओझा

''घट-घट के वासी राम''-राम से प्रभु श्रीराम तक की ज्ञान यात्रा- राम कथा का आयोजन। कथाकार ने रामचरित मानस में छिपे गूढ़ रहस्यों को विस्तार से समझाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री धर्म फाउंडेशन ट्रस्ट के तत्वावधान में जे.एल.एन. मार्ग स्थित विद्याश्रम स्कूल के महाराणा प्रताप सभागार में रविवार को ''घट-घट के वासी राम'' -राम से प्रभु श्रीराम तक की ज्ञान यात्रा- राम कथा का आयोजन हुआ। श्री धर्म फाउंडेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष सुधीर जैन गोधा और आयोजन समिति के मुख्य समन्वयक गब्बर कटारा ने बताया कि इस आयोजन में कथाकार पंकज ओझा ने भगवान राम के पृथ्वी पर विस्तार, अनेक देशों में राम कथाओं और रामचरित्र के प्रचलन और भगवान राम के साधारण मनुष्य से लोकनायक और जन-जन के आराध्य प्रभु श्रीराम बनने तक की यात्रा के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला।

मर्यादा में रहना सिखाती है रामकथा: श्रीराम कथा हमें मर्यादा में रहना सिखाती है। साथ ही यह मानव का सही मार्गदर्शन भी करती है। जो मनुष्य सच्चे मन से श्रीराम कथा का श्रवण कर लेता है, उसका लोक ही नहीं परलोक भी सुधर जाता है। मनुष्य जीवन बहुत दुर्लभ है और बहुत सत्कर्मों के बाद ही मनुष्य का जीवन मिलता है।

राम कथा के गूढ़ रहस्यों को समझाया: इस ज्ञान यात्रा में कथाकार ने भगवान श्रीराम के जीवन की विभिन्न लीलाओं पर प्रकाश डाला। कथाकार ने केवट प्रसंग के पीछे छिपे रहस्य को बताते हुए कहा कि एक बार क्षीरसागर में भगवान विष्णु शेष शैया पर विश्राम कर रहे थे और लक्ष्मीजी उनके पैर दबा रही थीं। विष्णुजी के एक पैर का अंगूठा शैया के बाहर आ गया। क्षीरसागर में जब एक कछुए ने इस दृश्य को देखा तो उसके मन में विचार आया कि मैं यदि भगवान विष्णु के अंगूठे को अपनी जिह्वा से स्पर्श कर लूं तो मेरा मोक्ष हो जाएगा। यह सोचकर वह कछुआ भगवान विष्णु के चरणों की ओर बढ़ा। उसे भगवान विष्णु की ओर आते हुए शेषनाग ने देख लिया और उसे भगाने के लिए जोर से फुंफकारा। फुंफकार सुन कर कछुआ भाग कर छुप गया। कुछ समय पश्चात जब शेषजी का ध्यान हट गया तो उसने पुनः प्रयास किया। इस बार लक्ष्मीजी की दृष्टि उस पर पड़ गई और उन्होंने उसे भगा दिया। इस प्रकार उस कछुए ने अनेकों प्रयास किए पर शेषजी और लक्ष्मी माता के कारण उसे कभी सफलता नहीं मिली। यहां तक कि सृष्टि की रचना हो गई और सतयुग बीत जाने के बाद त्रेता युग आ गया। कछुए को पता था कि त्रेता युग में वही क्षीरसागर में शयन करने वाले विष्णु राम का, वही शेषजी लक्ष्मण का और वही लक्ष्मी देवी सीता के रूप में अवतरित होंगे तथा वनवास के समय उन्हें गंगा पार उतरने की आवश्यकता पड़ेगी इसीलिए वह भी केवट बनकर वहां आ गया था। एक युग से भी अधिक काल तक भगवान का चिंतन करने के कारण उसने प्रभु के सारे मर्म जान लिए थे इसीलिए उसने श्रीराम से यह कहा था कि मैं आपका मर्म जानता हूं। मानसकार गोस्वामी तुलसीदास भी इस तथ्य को जानते थे इसीलिए अपनी चौपाई में केवट के मुख से कहलवाया-कहहि तुम्हारमरमुमैं जाना। सीता के जन्म के पीछे का रहस्य बताते हुए ओझा ने कहा कि राजा जनक मिथिला के राजा थे। एकबार मिथिला में अकाल पड़ा। तब राजा जनक ने ऋषि, मुनियों और विद्वानों से सलाह ली। ऋषि मुनियों ने उनसे कहा कि राजा जनक यदि आप स्वयं हल से भूमि को जोतेंगे तब देवराज इन्द्र की कृपा से मिथिला का अकाल दूर हो सकता है। राजा जनक ने अपने राज्य से अकाल को खत्म करने के लिए और अपनी प्रजा के हित में स्वयं हल चलाने का निर्णय लिया। राजा जनक भूमि पर हल चला रहे थे। तभी हल जा कर एक जगह अटक गया। राजा जनक ने देखा तब हल की नोक एक स्वर्ण कलश में अटकी हुई थी।

लाल कोठी में धार्मिक संस्कार शिक्षण शिविर का पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन महासमिति इकाई - लाल कोठी में धार्मिक संस्कार शिक्षण शिविर का पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह का 09 जून को आयोजित किया गया। इस अवसर पर पश्चिमी संभाग के अध्यक्ष निर्मल संघी, डॉक्टर ज्ञान चंद सोगानी कार्यकारी अध्यक्ष, महेंद्र छाबड़ा मंत्री एवं मनोज गोधा कोषाध्यक्ष की गरिमामय उपस्थिति रही। मंदिर कमेटी के मंत्री प्रदीप जैन, श्रीमती मंजू छाबड़ा उपाध्यक्ष एवं इकाई के अध्यक्ष सतीश भौंच, अनिल जैन उअ उपाध्यक्ष ,रोहित जैन संयुक्त सचिव ,रमेश ठोलिया, कोषाध्यक्ष अलका गोधा, मंत्री महिला प्रकोष्ठ की भी उपस्थिति रही। विद्वान शिक्षक श्रीमती मंजू लता छाबड़ा, बिंदिया कांसलीवाल, सुनीता भौंच को सम्मानित किया गया। परीक्षा भाग प्रथम द्वितीय तृतीय व छह ढाला मे आने वाले प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान वाले प्रतिभागियों को पुरुष्कार वितरण किया गया इसी के साथ दिगंबर जैन महासमिति पश्चिम संभाग के अंतर्गत लाल कोठी इकाई के अध्यक्ष सतीश भोंच को महासमिति का प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

श्रुत स्कन्ध विधान सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। आचार्य पुष्पदंत मुनिराज ने अंकलेश्वर गुजरात में गुरु आज्ञानुसार वर्षा योग धारण किया था। बीस प्रारूपणा गर्भित सत्यप्तरूपणा सूत्र 177 सूत्रों को लिपिबद्ध कर अपने शिष्य जिनपालित को भूतबलि महामुनिराज के पास भेजा। पुष्पदंत आचार्य भगवंत की आयु, अल्पायु है। ऐसा जानकर उन सत्य पुरूपणा सूत्रों को आचार्य भगवत ने महाकर्म प्रकृति प्राभृत का विच्छेदन हो, इस भावना से द्रत्यप्रमाणानुगम को लेकर ग्रंथ रचना प्रारंभ कर दी । इस खंड सिद्धांत की अपेक्षा से पुष्पदंत और भूत बली आचार्य सूत्र के कर्ता कहे गए हैं। यह षटखंडागम ग्रंथ सूत्र रूप में लिपिबद्ध होकर पूर्ण हुआ ,तभी चतुर्विध संघ ने मिलकर बहुत ही महोत्सव पूर्वक श्रुत की महा पूजा की थी। इस तदनरूप राजस्थान जैन साहित्य परिषद ने आज ज्येष्ठ शुक्ला तृतीया रविवार को श्री 24 महाराज जिनालय मोती सिंह भौमियों का रास्ता में श्रुत- स्कंध विधान का आयोजन किया। सभी जैन बंधु स्त्री पुरुषों ने भक्ति भाव से षट्खंडागम ग्रंथ राज की पूजा अर्चना की। उक्त जानकारी देते हुए परिषद के संयुक्त मंत्री रमेश गंगवाल ने बताया मुनि श्री 108 श्री महिमा सागर जी गुरुदेव के आशीर्वाद से श्री दिवसीय कार्यक्रम की कड़ी में श्रुत स्कन्ध विधान हुआ, विधान में मंगल कलश की स्थापना दीपक सोगाणी परिवार द्वारा की गई। षट्खंडागम ग्रन्थ को विराजमान करने का सौभाग्य विकास नीरज परिवार को प्राप्त हुआ।